

# UPDAAN

## 2025

### साना साना हाथ जोड़ि

हिन्दी

Lecture - 02

By – Garima Mishra Ma'am

कृतिका





# Topics

*to be covered*



- 1 लेखक का परिचय
- 2 पाठ का सारांश (साना साना हाथ जोड़ें)
- 3 पाठ (साना साना हाथ जोड़ें) से सम्बंधित प्रश्न



# Recap *of previous lecture*

- 1 लेखक का परिचय
- 2 पाठ का सारांश (माता का आंचल)
- 3 पाठ (माता का आंचल) से सम्बंधित प्रश्न





## मधु कांकरिया



- जन्म - 23 मार्च, 1957, कोलकाता
- शिक्षा - एम.ए. अर्थशास्त्र (कोलकाता यूनिवर्सिटी), डिप्लोमा (कम्प्यूटर साइंस)
- विधाएँ - उपन्यास, कहानी, यात्रा वृत्तांत, सामाजिक विमर्श
- पुरस्कार एवं सम्मान - 'कथा क्रम सम्मान', 'रत्नीदेवी गोयनका वाग्देवी सम्मान', 'बिहारी पुरस्कार' व 'मीरा स्मृति सम्मान' आदि।







## साना साना हाथ जोड़ि



यह पाठ मधु कांकरिया द्वारा लिखा गया एक यात्रा वृत्तांत है जिसमें लेखिका ने सिक्किम की राजधानी गैंगटॉक और उसके आगे हिमालय की यात्रा का वर्णन किया है, जो शहरों की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर है। लेखिका गैंगटॉक को मेहनती लोगों का शहर बताती हैं, क्योंकि वहाँ के सभी लोग बहुत मेहनती हैं। वहाँ तारों से भरे आसमान में लेखिका की सम्मोहन महसूस होता है जिसमें वह खो जाती हैं।





## साना साना हाथ जोड़ि



वह एक नेपाली युवती द्वारा बताई गई प्रार्थना "मेरा सारा जीवन अच्छाइयों को समर्पित हो" को गाती हैं। अगले दिन मौसम साफ न होने के कारण लेखिका कंचनजंघा की चोटी नहीं देख सकीं, परंतु ढेरों खिले फूल देखकर खुश हो जाती हैं। वह उसी दिन गँगटोंक से 149 किलोमीटर दूर यूमथांग देखने अपनी सहयात्री मणि और गाइड जितेन नार्गे के साथ रवाना होती हैं। गँगटोंक से यमथांग निकलते ही लेखिका को एक कतार में लगी सफेद-सफेद बौद्ध पताकाएँ दिखाई देती हैं जो ध्वज की तरह फहरा रही थीं। ये शांति और अहिंसा की प्रतीक थीं और उन पताकाओं पर मंत्र लिखे हुए थे।

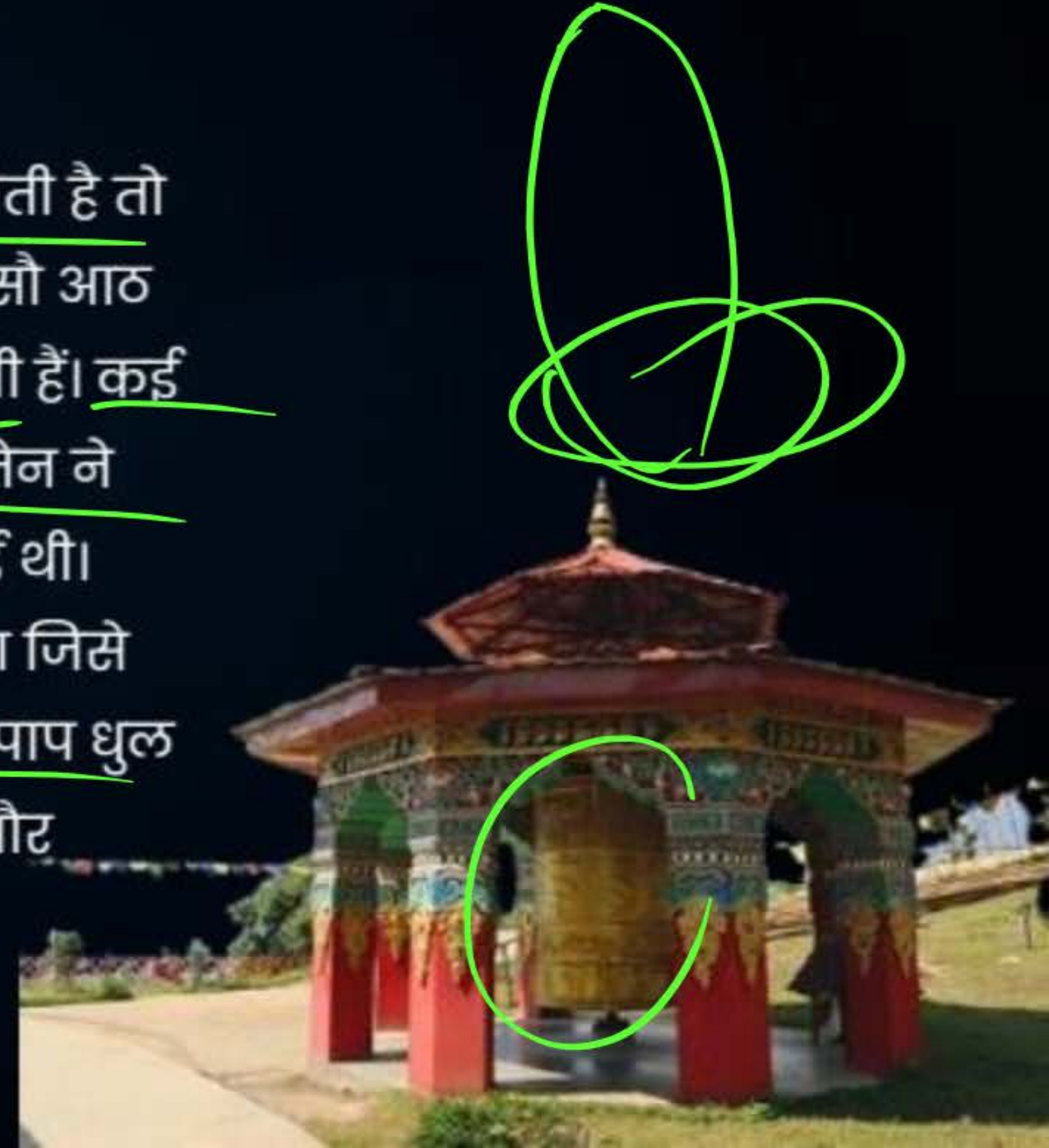




## साना साना हाथ जोड़ि



लेखिका के गाइड ने उन्हें बताया कि जब किसी बौद्ध मतावलंबी की मृत्यु होती है तो उसकी आत्मा की शांति के लिए शहर से दूर किसी भी पवित्र स्थान पर एक सौ आठ श्वेत पताकाएँ फहरा दी जाती हैं। इन्हें उतारा नहीं जाता है, ये खुद नष्ट हो जाती हैं। कई बार नए शुभ कार्य की शुरुआत में भी रंगीन पताकाएँ फहरा दी जाती हैं। जितेन ने बताया कि कवि- लोंग स्टॉक नामक स्थान पर 'गाइड' फिल्म की शूटिंग हुई थी। आगे चलकर मधु जी को एक कुटिया के भीतर घूमता हुआ चक्र दिखाई दिया जिसे धर्म चक्र या प्रेयर व्हील कहा जाता है। नार्गे ने बताया कि इसे घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं। जैसे-जैसे वे लोग ऊँचाई की ओर बढ़ते गए, वैसे-वैसे बाजार, लोग और बस्तियाँ आँखों से ओझल होने लगीं।





## साना साना हाथ जोड़ि



अ

घाटियों में सबकुछ धुंधला दिखाई दे रहा था। उन्हें हिमालय पल पल परिवर्तित होते महसूस हुआ और वह विशाल लगने लगा। सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल पर जीप रुकी। सभी लोग वहाँ की सुंदरता को कैमरे में कैद करने लगे। झरने के पानी में लेखिका को ऐसा लग रहा था जैसे वह उनके अंदर की सारी बुराई और दुष्टता को बहा ले जा रहा हो। रास्ते में प्राकृतिक दृश्य पल-पल अपना रंग बदल रहे थे जैसे कोई जादू की छड़ी घुमा रहा हो। थोड़ी देर के लिए जीप थिंक ग्रीन लिखे शब्दों के पास रुकी। वहाँ सभी कुछ एक साथ सामने था-





## साना साना हाथ जोड़ि



लगातार बहते झरने, नीचे पूरे वेग से बह रही तिस्ता नदी, सामने धुंध, ऊपर आसमान में बादल और धीरे-धीरे चलती हवा जो आस-पास के वातावरण में खिले फूलों की हँसी चारों ओर बिखेर रही थी। कुछ औरतों की पीठ पर बँधी टोकरियों में बच्चे थे। इतने सुंदर वातावरण में भूख, गरीबी और मौत के निर्मम दृश्य ने लेखिका को सहमा दिया। एक कर्मचारी ने बताया कि ये पहाड़िनें पहाड़ी रास्ते को चौड़ा बना रही हैं। कई बार काम करते समय किसी-न-किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है क्योंकि जब पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ाया जाता है तो उनके टुकड़े झधर-उधर गिरते हैं।







## साना साना हाथ जोड़ि



यदि उस समय सावधानी न बरती जाए, तो जानलेवा हादसा घट सकता है। लेखिका को लगता है कि सभी जगह आम जीवन की कहानी एक-सी है। आगे चलने पर रास्ते में बहुत सारे पहाड़ी स्कूली बच्चे मिलते हैं। जितेन बताता है कि ये बच्चे तीन-साढ़े तीन किलोमीटर की पहाड़ी चढ़ाई चढ़कर स्कूल जाते हैं। ये बच्चे स्कूल से लौटकर अपनी माँ के साथ काम करते हैं। यहाँ का जीवन बहुत कठोर है। जैसे-जैसे ऊँचाई बढ़ती जा रही थी, वैसे-वैसे खतरे भी बढ़ते जा रहे थे। रास्ता तंग होता जा रहा था। सरकार की गाड़ी धीरे चलाएँ की चेतावनियों के बोर्ड लगे थे। शाम के समय जीप चाय बागानों में से गुजर रही थी। बागानों में कुछ युवतियाँ सिक्किमी परिधान पहने चाय की पत्तियाँ तोड़ रही थीं।







## साना साना हाथ जोड़ि



चारों ओर इंद्रधनुषी रंग छटा बिखेर रहे थे। यूमथांग पहुंचने से पहले वे लोग (लायुंग रुके। लायुंग में लकड़ी से बने छोटे-छोटे घर थे। लेखिका सफर की थकान उतारने के लिए तिस्ता नदी के किनारे फैले पत्थरों पर बैठ गई। रात होने पर जितेन के साथ अन्य साथियों ने नाच-गाना शुरू कर दिया था। लेखिका की सहयात्री मणि ने बहुत सुंदर नृत्य किया। लायुंग में अधिकतर लोगों की जीविका का साधन पहाड़ी आलू, धान की खेती और शराब था। लेखिका को वहाँ बर्फ देखने की इच्छा थी परंतु वहाँ बर्फ कहीं भी नहीं थी। एक स्थानीय युवक के अनुसार प्रदूषण के कारण वहाँ स्नोफॉल कम हो गया था। 'कटाओ' में बर्फ देखने को मिल सकती है। कटाओ को भारत का स्विट्जरलैंड कहा जाता है।





## साना साना हाथ जोड़ि



मणि, जिसने स्विट्जरलैंड देखा था, ने कहा कि यह स्विट्जरलैंड से भी सुंदर है। कटाओ को अभी तक टूरिस्ट स्पॉट नहीं बनाया गया था, इसलिए यह अब तक अपने प्राकृतिक स्वरूप में था। लायुंग से कटाओ का सफर दो घंटे का था। कटाओ का रास्ता खतरनाक था। जितने अंदाज से गाड़ी चला रहा था। चारों ओर बर्फ से भरे पहाड़ थे। कटाओ पहुँचने पर हल्की-हल्की बर्फ पड़ने लगी थी। सभी सहयात्री वहाँ के वातावरण में फोटो खिंचवा रहे थे। लेखिका वहाँ के वातावरण को अपनी साँसों में समा लेना चाहती थी। उसे लग रहा था कि यहाँ के वातावरण ने ही ऋषियों-मुनियों को वेदों की रचना करने की प्रेरणा दी होगी। ऐसे असीम सौंदर्य को यदि कोई अपराधी भी देख ले, तो वह भी आध्यात्मिक हो जाएगा।



## साना साना हाथ जोड़ि



मणि के मन में भी दार्शनिकता उभरने लगी थी। वे कहती हैं कि प्रकृति अपने ढंग से सर्दियों में हमारे लिए पानी इकट्ठा करती है और गर्मियों में ये बर्फ शिलाएँ पिघलकर जलधारा बनकर हम लोगों की प्यास को शांत करती हैं। प्रकृति का यह जल संचय अद्भुत है। इस प्रकार नदियों और हिमशिखरों का हम पर ऋण है। थोड़ा आगे जाने पर फौजी छावनियाँ दिखाई दीं क्योंकि यह बॉर्डर एरिया था और थोड़ी ही दूर पर चीन की सीमा थी। लेखिका फौजियों को देखकर उदास हो गई। वैशाख के महीने में भी वहाँ बहुत ठंड थी। वे लोग पौष और माघ की ठंड में किस तरह रहते होंगे? वहाँ जाने का रास्ता भी बहुत खतरनाक था। कटाओ से यूमथांग की ओर जाते हुए प्रियुता और रुडोडेंड्रो ने फूलों की घाटी को भी देखा।





## साना साना हाथ जोड़ि



यूमथांग कटाओ जैसा सुंदर नहीं था। यूमथांग वापस आकर उन लोगों को वहाँ सब फीका-फीका लग रहा था। पहले सिक्किम स्वतंत्र राज्य था। अब वह भारत का एक हिस्सा बन गया है। इससे वहाँ के लोग बहुत खुश हैं। मणि ने बताया कि पहाड़ी कुत्ते केवल चाँदनी रातों में भौंकते हैं। यह सुनकर लेखिका हैरान रह गई। उसे लगा कि पहाड़ी कुत्तों पर भी ज्वार-भाटे की तरह पूर्णिमा की चाँदनी का प्रभाव पड़ता है। गुरुनानक के पदचिह्नों वाला एक ऐसा पत्थर दिखाया, जहाँ कभी उनकी थाली से चावल छिटककर बाहर गिर गए थे।







## साना साना हाथ जोड़ि



खेदुम नाम का एक किलोमीटर का ऐसा क्षेत्र भी दिखाया, जहाँ देवी-देवताओं का निवास माना जाता है। नार्गे ने पहाड़ियों के पहाड़ों, नदियों, झरनों और वादियों के प्रति पूज्य भाव की भी जानकारी दी। भारतीय आर्मी के कप्तान शेखर दत्ता के सुझाव पर गैंगटॉक के पर्यटक स्थल बनने और नए रास्तों के साथ नए स्थानों को खोजने के प्रयासों के बारे में भी बताया।





## QUESTION



लेखिका ने गंगटोक को किसका शहर कहा है?

- A** बहादुर व्यक्तियों का
- B** जानी लोगों का
- C** मेहनतकश बादशाहों का
- D** प्राचीन रीतियों की



- C** मेहनतकश बादशाहों का



## QUESTION



पहाड़ी कुत्तों की मणि ने क्या विशेषता बताई ?

- A** ये बहुत शक्तिशाली होते हैं
- B** ये बहुत अधिक खाना खाते हैं
- C** ये केवल चाँदनी रात में ही भौंकते हैं
- D** ये ज़्यादा समय सोते रहते हैं



- C** ये केवल चाँदनी रात में ही भौंकते हैं



## QUESTION



जितेन ने देवी-देवताओं के निवास वाली जगह का क्या नाम बताया ?

**A** यूमथांग

**B** कटाव

**C** खेदुम

**D** भेटुला



**Answer**



**C** खेदुम



इस पाठ में किस शहर के सौंदर्य का वर्णन है ?

- A** अगरतला
- B** गंगटोक
- C** शिलॉन्ग
- D** गुवाहटी



**Answer**



**B**

गंगटोक

यूमथांग घाटी की क्या विशेषता है ?

- A** इस घाटी की गहराई अधिक है
- B** यह घाटी फूलों से भर जाती है
- C** इस घाटी में जंगली जानवर अधिक मात्रा में रहते हैं
- D** इस घाटी में लोग जाने से डरते हैं



**B**

यह घाटी फूलों से भर जाती है

लेखिका ने साना-साना हाथ जोड़ि प्रार्थना किससे सीखी ?

- A** जितेन नार्गे से
- B** चाय के बगान में काम करने वाली युवतियों से
- C** नेपाली युवती से
- D** स्कूली बच्चों से



- C** नेपाली युवती से

लेखिका के ड्राइवर व गाइड का क्या नाम था ?

- A** जितेन नार्गे
- B** आमोद संगमा
- C** अलाप देव
- D** विक्रम कटियप्पा



**A** जितेन नार्गे

भारतीय आर्मी के किस कप्तान ने यूमथांग को 'टूरिस्ट स्पॉट' बनाने में सहयोग दिया ?

- A** कप्तान प्रेम नाथ थापर
- B** कप्तान राजेंद्र जडेजा
- C** कप्तान शेखर दत्त
- D** कप्तान जे जे सिंह



- C** कप्तान शेखर दत्त

प्रश्न 1. झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था?

उत्तर: झिलमिलाते तारों की प्रकाश में समाहित गंतोक शहर लेखिका के मन में एक सम्मोहन जगा रहा था। इस शहर का सभी कुछ अत्यंत सुंदर था। इस सुंदरता ने लेखिका पर ऐसा जादू कर दिया था कि उसे सब कुछ स्थगित और अर्थहीन लग रहा था। लेखिका को अपने भीतर-बाहर एक शून्य-सा व्याप्त होता दिख रहा था।



प्रश्न 2. गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया?

उत्तर: गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' इसलिए कहा क्योंकि यह पर रहने वाला हर व्यक्ति चाहें वह बच्चा हो या बूढ़ा हो हर कोई कड़ी मेहनत करके कमाता है। गंतोक एक ऐसा पर्वतीय स्थल है जिसे वहाँ के मेहनतकश लोगों ने अपनी मेहनत से सुरम्य बना दिया है। यहाँ पत्थरों को काटकर लोग रास्ते बनाते हैं, बच्चे सुबह-सुबह पहाड़ों को पार करके स्कूल जाते हैं फिर घर आने के बाद घर के कामों में हाथ बटाते हैं। यहाँ के लोगों का जीवन इतना कठिन होने के बावजूद भी शहर को खूबसूरत बना रखा है।



प्रश्न 3. कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?

उत्तर: नागों के अनुसार पहाड़ी रास्तों पर फहरायी गयी पताकाएँ किसी बुद्धिष्ट की मृत्यु का या किसी नए कार्य की शुरुआत का प्रतीक होते हैं। हर रंग की पताकाएँ अलग अलग संकेत देती हैं तथा उनकी अपनी अलग मान्यताएँ हैं। जैसे की श्वेत पताकाएँ शांति व अहिंसा का प्रतीक माना जाता है। ठीक उसी प्रकार किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु हो जाती है तो शहर या कस्बे से दूर किसी वीरान जगह पर मंत्र लिखित 108 पताकाओं को फहराया जाता है। तथा इसी प्रकार उन्हें उतारा नहीं जाता है वह खुद ही अपने आप वक्त के साथ नष्ट हो जाती है। जब किसी कार्य की नयी शुरुआत करनी होती है तो उसके लिए रंग बिरंगी पताकाएँ फहरायी जाती हैं जो शुभारंभ का प्रतीक बनती हैं। इसी प्रकार हर पताकाएँ किसी ना किसी नए कार्य या किसी की मृत्यु पश्चात मनाये जाने वाले शोक को दर्शाती हैं।



प्रश्न 4. जितेन नागें ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवन के बारे में क्या महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं, लिखिए।

उत्तर: जीतेन नागें ने लेखिका को सिक्किम के विषय में निम्नलिखित जानकारियाँ दी -

- 1) गंतोक एक पहाड़ी इलाका है। ✓
- 2) यहाँ के लोग बहुत मेहनती हैं। ✓
- 3) गंतोक से यूमथांग तक तरह-तरह के फूल खिले हैं तथा फूलों से भरी हुई वादियाँ भी हैं।
- 4) श्वेत पताकाएँ जब यहाँ किसी बुद्ध के अनुयायी की मृत्यु होती है तो फहरायी जाती हैं। ये 108 होती हैं।
- 5) रंगीन पताकाएँ नए कार्य के आरंभ होने पर फहरायी जाती हैं। ✓

- 6) यहाँ के एक स्थान पर 'गाइड' फिल्म की शूटिंग भी हुई थी जिसका नाम है "कवी-लॉन्ग-स्टॉक"।
- 7) यहाँ एक धर्मचक्र भी है। इसको घुमाने से सारे पाप दूर हो जाते हैं।
- 8) 'कटाओ' क्षेत्र को भारत का स्विट्जरलैंड भी कहते हैं।
- 9) यूमथांग की घाटियां पंद्रह दिनों में ही फूलों से एकदम भर जाती हैं।



प्रश्न 5. लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक-सी क्यों दिखाई दी?

उत्तर: लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका ने उसके बारे में पूछा तो जितेन नार्गे ने बताया कि यह 'धर्म-चक्र' है। इसे घुमाने पर सारे पाप धुल जाते हैं। जितेन की यह बात सुनकर लेखिका ने मन में सोचा कि पूरे भारत की आत्मा एक ही है क्योंकि मैदानी क्षेत्रों में गंगा के विषय में भी ऐसी ही धारणा लोगों के मन में रहती है। इतनी ज्यादा तकनीकी आधुनिकता आ जाने के बावजूद भी समाज के लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, मान्यताएँ और पाप-पुण्य की अवधारणाएँ एक समान हैं।



प्रश्न 6. जितने नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं?

उत्तर: जितने नार्गे लेखिका का ड्राइवर कम गाइड था। वह नेपाल से कुछ दिन पहले आया था जिसे नेपाल और सिक्किम की अच्छी जानकारी थी। वह क्षेत्र-से सुपरिचित था। उसमें प्रायः गाइड होने के वे सभी गुण थे जो एक कुशल गाइड में होते हैं।

एक कुशल गाइड के निम्नलिखित गुण होते हैं -

- 1) एक कुशल गाईड को अपने स्थान की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए जैसे वहाँ की भौगोलिक, आर्थिक, मौसम तथा वहाँ के लोगों के जीवन की भी वह नार्गे में सम्यक रूप से थी।
- 2) वह गाइड होने के साथ-साथ वह ड्राइवर भी था। उसे कब कहाँ जाना है इसके लिए उसे कुछ सलाह लेने की आवश्यकता नहीं होती है।
- 3) गाइड में सैलानियों को प्रभावित करने की रोचक शैली होनी चाहिए जो उसमें थी। वह अपनी मज़ेदार बातों से लेखिका को प्रभावित करता था; जैसे-"मैडम, यह धर्म चक्र है-प्रेअर व्हील, इसको गोल-गोल घुमाने से व्यक्ति के जीवन के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं।"



- 4) एक कुशल गाइड को उस क्षेत्र के जन-जीवन की गतिविधियों की भी जानकारी होनी चाहिए और उसे संवेदनशील भी होना चाहिए।
- 5) वह पर्यटकों के साथ घूमते हुए इतना घुल-मिल जाता है कि वह स्वयं ही पर्यटकों का मनोरंजन करने लगता है तथा पर्यटक भी उसका साथ देते हैं। इस तरह वह आपस में अच्छे संबंध बना लेता है।
- 6) कुशल गाईड बातूनी होता है। वह अपनी बातों से पर्यटन स्थलों के प्रति जिज्ञासा बनाए रखता है। पताकाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देकर नार्गे उस स्थान के महत्व को बढ़ा देता है।



प्रश्न 7. प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरूप को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति होती है?

उत्तर: लेखिका ने जब प्रकृति के मनोरम सौंदर्य को देखा तो वह एकदम शांत हो गयी जैसे किसी ऋषि की तरह हो गयी हो। वह सारे सुंदर दृश्यों को अपने भीतर समाहित करना चाहती थी। वह रोमांचित थी, पुलकित थी। लेखिका को आदिम युग की अभिशप्त राजकुमारी-सी नीचे बिखरे भारी-भरकम पत्थरों पर झरने के संगीत के साथ आत्मा का संगीत सुनने जैसा आभास हो रहा था। लेखिका को ऐसा लग रहा था मानो उसके भीतर की सारी तामसिकताएँ और दुष्ट वासनाएँ इस निर्मल धारा में बह गई हों। उसका मन हुआ कि वह अनंत समय बहती रहे तथा लेखिका वहाँ बैठ कर उस झरने की मृदुल आवाज़ सुनती रहे।

प्रकृति के इस मनोरम सौंदर्यपूर्ण दृश्य को देखकर लेखिका को यह अहसास हुआ कि यही सौंदर्य दृश्य जीवन का परम आनंद है।



प्रश्न 8. प्राकृतिक सौंदर्य के अलौकिक आनंद में डूबी लेखिका को कौन-कौन से दृश्य झकझोर गए?

उत्तर: प्राकृतिक सौंदर्य के अलौकिक आनंद में डूबी लेखिका को सड़क बनाने के लिए पत्थर तोड़ती, सुंदर कोमल पहाड़ी महिलाएं का दृश्य झकझोर गया। लेखिका ने देखा कि उस अद्वितीय सौंदर्य से अलग कुछ पहाड़ी महिलाएं पत्थरों पर बैठी पत्थर तोड़ रही थीं। उनके हाथों में कुदाल व हथौड़े थे और कड़ियों की पीठ पर बंधे डोको (बड़ी टोकरी) में उनके बच्चे भी साथ थे। यह विचार लेखिका के मन को बार-बार झकझोर करता रहा कि नदी, फूलों, वादियों और झरनों के ऐसे स्वर्गिक मनोरम सौंदर्य के बीच भूख, मौत और जीने की चाह के बीच जंग भी जारी है।



प्रश्न 9. सैलानियों को प्रकृति की अलौकिक छटा का अनुभव करवाने में किन-किन लोगों का योगदान होता है, उल्लेख करें।

उत्तर: सैलानियों को प्रकृति की अलौकिक छटा का अनुभव कराने में निम्न लोगों का योगदान, सराहनीय होता है -

- 1) वे लोग जो व्यवस्था में संलग्न होते हैं।
- 2) वहाँ के स्थानीय गाइड जो उस क्षेत्र की सर्वथा जानकारी रखते हैं और सैलानियों को सभी जगह का दौरा कराने ले जाते हैं।
- 3) वहाँ के स्थानीय लोग जो वहाँ पर भ्रमण करने आये लोगों से बात करते हैं, मदद करते हैं तथा उन्हें छोटी-छोटी चीजों की जानकारी भी देते हैं।
- 4) वे सहयोगी यात्री जो यात्रा में मस्ती भरा माहौल बनाए रखते हैं और कभी निराश नहीं होते हैं। उत्साह से भरपूर होते हैं।



प्रश्न 10. "कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती हैं।" इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है?

उत्तर: किसी देश की आम जनता देश की आर्थिक प्रगति में बहुत अधिक लेकिन अप्रत्यक्ष योगदान देती है। आम जनता के इस वर्ग में मजदूर, ड्राइवर, बोझ उठाने वाले, फेरीवाले, कृषि कार्यों से जुड़े लोग आते हैं। अपनी यूमथांग की यात्रा में लेखिका ने देखा कि पहाड़ी मजदूर महिलाएं पत्थर तोड़कर पर्यटकों के आवागमन के लिए रास्ते बना रही हैं। इससे यहाँ पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी जिसका सीधा-सा असर देश की आर्थिक स्थिति पर और देश की प्रगति पर पड़ेगा। इसी प्रकार कृषि कार्यों में शामिल मजदूर, किसान फसल उगाकर राष्ट्र की प्रगति में अपना बहुमूल्य योगदान देते हैं।



प्रश्न 11. प्रदूषण के कारण स्नोफॉल में कमी का जिक्र किया गया है? प्रदूषण के और कौन-कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं, लिखें।

उत्तर: लेखिका को उम्मीद थी कि उसे लायुंग में बर्फ देखने को मिल जाएगी, लेकिन एक सिक्कमी व्यक्ति ने बताया कि प्रदूषण की वजह से स्नोफॉल कम हो गया है; अतः उन्हें 500 मीटर ऊपर 'कटाओ' में ही बर्फ देखने को मिल सकेगी। प्रदूषण के कारण पर्यावरण में अनेक परिवर्तन आ रहे हैं। स्नोफॉल की कमी के कारण नदियों में जल की मात्रा कम होती जा रही है। परिणामस्वरूप पीने योग्य जल की कमी सामने आ रही है। प्रदूषण के कारण वायु भी प्रदूषित हो रही है। बड़े नगरों में तो साँस लेने के लिए ताजा हवा का मिलना भी मुश्किल हो रहा है। साँस संबंधी रोगों के साथ-साथ कैंसर तथा उच्च रक्तचाप की बीमारियाँ बढ़ रही हैं। ध्वनि प्रदूषण मानसिक बीमारियाँ, बहरेपन जैसे कई रोगों का कारण बन रहा है।





## Homework



# पाठ में आर प्रर-उतर को  
अपने शब्दों में लिखना है?



THANK  
YOU

